हिसार में एकजुट हुए मेडिकल छात्र

शहर में 'सेव द डाक्टर' आंदोलन चलाया

अमर उजाला ब्यूरो

अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सीटों को बराबर होनी चाहिए

हिसार। मेडिकल छात्रों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अंडर ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) मेडिकल सीटों की संख्या बराबर करने के लिए मंगलवार को पैदल मार्च निकाला। 300 से अधिक मेडिकल छात्रों ने 'सेव द डॉक्टर' अभियान में काला रिबन लगाकर बस स्टॉप से गणेश मार्केट तक मार्च निकाला। डॉ. नरेश त्रेहन, सीएमडी मेडांता ने कहा कि वे देश में चिकित्सा छात्रों की मौजूदा स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। देश में चिकित्सा क्षेत्र में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए उपलब्ध सीटें बराबर नहीं हैं।

मेडिकल छात्र और ग्रेजुएट किसी भी तरह से पीजी में सीट पाने के लिए काफी मेहनत करते हैं, वे बार-बार परीक्षा देते हैं और इस तरह कई बार अपने लक्ष्य से भटक भी जाते हैं। देश की जरूरत के मद्देनजर हमें जल्द-से-जल्द सिस्टम को बदलने के उपाय करने चाहिए। देश में अधिक योग्य डॉक्टरों की जरूरत है।

अमर उजाला

शहर में मंगलवार को मार्च निकालते मेडिकल के विद्यार्थी।

डॉ. नरेंद्र सैनी महासचिव आईएमए ने कहा, 'देश के युवा डॉक्टर अपने कीमती वर्ष पढ़ने और जवाब रटने में लगा रहे हैं ताकि उन्हें पीजी सीट मिल सके। हमें देश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को समझना होगा और यह जानना होगा कि किस तरह निकट भविष्य में हम इससे प्रभावित होंगे।' उन्होंने कहा, 'यह अभियान इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है और हमें देश का समर्थन चाहिए। फिलहाल यूजी पाठ्यक्रमों में करीब 45,600 सीटें हैं, जो एमसीआई के प्रयासों से जल्द ही 50,000 हो जाएंगी। पीजी के लिए केवल 12,000 सीटें उपलब्ध हैं, जिन्हें ज्यादातर डॉक्टर चुनना पसंद करते हैं।